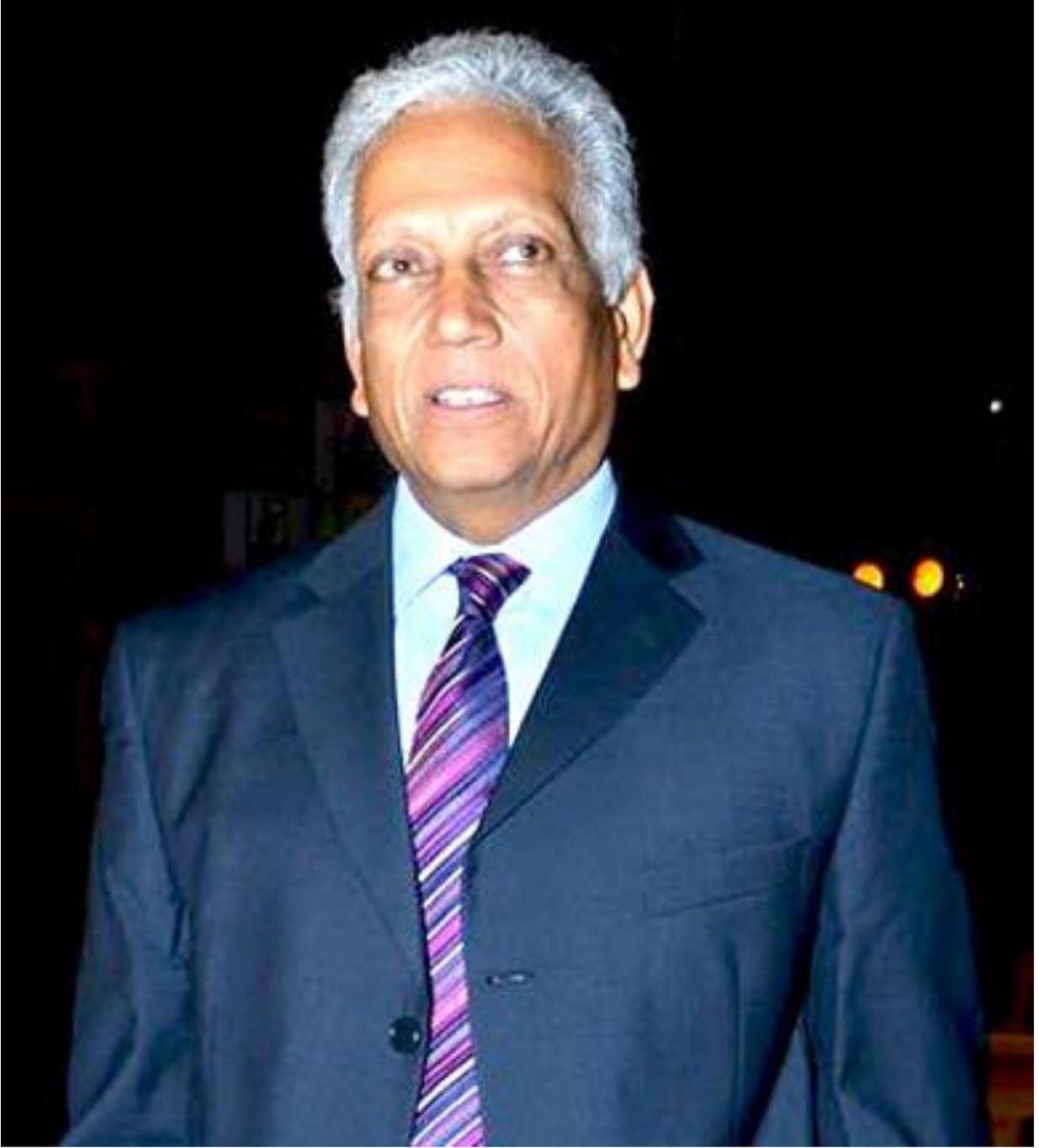


मोहिन्दर अमरनाथ



मोहिन्दर अमरनाथ भारद्वाज (अंग्रेजी: *Mohinder Amarnath Bhardwaj*; जन्म- [24 सितम्बर, 1950](#), [पटियाला](#), [पंजाब](#)) [भारत](#) के ख्यातिप्राप्त पूर्व क्रिकेटर्स ([1969-1989](#)) में से एक हैं। वर्तमान समय वे [क्रिकेट](#) जैसे लोकप्रिय खेल के विश्लेषक हैं। मोहिन्दर अमरनाथ 'जिम्मी' के नाम से भी जाने जाते हैं। अपने समय के तेज़ गेंदबाजों का सामना करने में मोहिन्दर अमरनाथ सबसे माहिर माने जाते थे। वे भारत के प्रथम कप्तान [लाला अमरनाथ](#) के पुत्र हैं। इनके भाई सुरिन्दर अमरनाथ [टेस्ट क्रिकेट](#) खिलाड़ी और राजिन्दर अमरनाथ प्रथम श्रेणी क्रिकेट के खिलाड़ी रहे हैं। मोहिन्दर अमरनाथ [वर्ष 1983](#) में भारत की पहली विश्व कप जीत के नायक थे।

जन्म

मोहिन्दर अमरनाथ का जन्म 24 सितम्बर, 1950 को [पंजाब राज्य](#) के [पटियाला जिले](#) में हुआ था। इनके [पिता भारत](#) के प्रसिद्ध [क्रिकेट](#) खिलाड़ी लाला अमरनाथ थे, जिन्होंने क्रिकेट की बुलंदियों को छुआ था। लाला अमरनाथ ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में [भारत](#) की ओर से पहला शतक जमाया था। वे भारत के पहले आलराउंडर थे, जिन्होंने बल्ले के अलावा गेंद से भी अपने विरोधियों की नाक में दम कर दिया था। आगे चलकर यही कार्य मोहिन्दर अमरनाथ ने भी किया।

पारिवारिक पृष्ठभूमि

[भारत](#) के लिये पहला टेस्ट शतक जमाने वाले लाला अमरनाथ भारतीय क्रिकेट के महानतम खिलाड़ियों में से एक थे। लाला अमरनाथ के बाद उनके बड़े बेटे सुरिन्दर अमरनाथ ने भारतीय स्कूली लड़कों की टेस्ट टीम की कप्तानी की और बाद में अपने पिता की तरह पहले टेस्ट में शतक बनाया। दोनों के नाम पहले ही टेस्ट में शतक जमाने का रिकार्ड है। बाद में मोहिन्दर अमरनाथ ने क्रिकेट में पदार्पण किया, जो [1983](#) में भारत की पहली विश्व कप जीत के नायक रहे। अब अमरनाथ परिवार की तीसरी पीढ़ी भी क्रिकेट के मैदान पर उतर चुकी है, जब सुरिन्दर अमरनाथ के 22 वर्ष के बेटे दिग्विजय अमरनाथ ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया।^[1]

क्रिकेट की शुरुआत

मोहिन्दर अमरनाथ ने वर्ष [1969](#) में अपना पहला प्रदर्शन एक तेज़ गति के [गेंदबाज](#) के साथ एक त्वरित हरफनमौला खिलाड़ी के रूप में किया था, लेकिन अपने कैरियर के सर्वोच्च शिखर पर वे हमेशा एक शीर्ष क्रम के [बल्लेबाज](#) के रूप में आये, जिन्होंने हमेशा [भारत](#) के लिए नंबर तीन पर

खेला। वे गेंदबाज़ी में भी कुशल थे और गेंद को बड़े कौशल और नियंत्रण के साथ स्विंग और कट करते थे।

प्रथम शतक

मोहिन्दर अमरनाथ ने अपना पहला शतक [ऑस्ट्रेलिया](#) के पर्थ में लगाया था। उस समय कंगारू टीम में जैफ थॉमसन जैसा तेज़ रफ्तार का बादशाह शामिल था। पर्थ की पिच को विश्व की सबसे अधिक उछाल और तेज़ पिच कहा जाता है। इसके बाद मोहिन्दर अमरनाथ ने [टेस्ट क्रिकेट](#) में 10 और शतक लगाए। [1982-1983](#) में [पाकिस्तान](#) के विरुद्ध पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भारत को 3-0 से शिकस्त झेलनी पड़ी थी, उसमें भी अमरनाथ का प्रदर्शन कमाल का था और वे इमरान खान के साथ संयुक्त रूप से 'मैन ऑफ़ द सीरिज' रहे थे। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के विरुद्ध खेले 11 टेस्ट में उन्होंने 1000 रन बनाए थे। उन्होंने 69 टेस्ट में 42.50 की औसत से 4378 रन बनाए और 32 विकेट भी झटके। जबकि 85 वनडे में 30.54 की औसत 1924 रन बनाए और 46 विकेट झटके।^[2]

विश्व कप में प्रदर्शन

मोहिन्दर अमरनाथ को 'क्रिकेट विश्व कप-1983' में उनके सफल प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। फाइनल और सेमीफाइनल मैच में उन्हें 'मैन ऑफ़ द मैच' के खिताब से सम्मानित किया गया था। इस तरह उन्होंने [भारत](#) का अपने पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय खिताब के लिए नेतृत्व किया। मोहिन्दर अमरनाथ ने अपनी सटीक और तेज़ गेंदबाज़ी से [इंग्लैंड](#) के खिलाफ़ सेमीफाइनल में डेविड गोवर और माइक गैटिंग जैसे शीर्ष क्रम के बल्लेबाज़ों के विकेट लिए थे। उस समय उन्होंने औसतन 2.25 प्रति ओवर के अनुसार अपने 12 ओवरों में मात्र 27 रन ही दिए थे। यह सभी भारतीय गेंदबाज़ों द्वारा दिए गए रनों में सबसे कम थे। यदि बल्लेबाज़ी की बात की जाये तो उन्होंने 46 रन बनाकर भारत को ठोस शुरुआत देने का कार्य किया था।

फ़ाइनल मैच में भारत ने वेस्ट इंडीज के विरुद्ध पहले बल्लेबाज़ी की, जो विवादास्पद रूप से दुनिया की सबसे अच्छी गेंदबाज़ी का दावा करता है। टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और 54.4 ओवरों में मात्र 183 रन पर ही सिमट गई और निर्धारित 60 ओवर भी पूरे नहीं खेल सकी। इस समय वेस्टइंडीज की घातक तेज़ [गेंदबाज़ी](#) के आगे मोहिन्दर अमरनाथ की शान्त और तटस्थ बल्लेबाज़ी ने भारतीय पारी को काफ़ी हद तक स्थिरता दिलाई। भारतीय खिलाड़ियों में मात्र वे ही सबसे अधिक समय तक पिच पर टिके रहे। मोहिन्दर अमरनाथ ने 80 [गेंदों](#) का सामना किया

और 26 रन बनाए। यद्यपि सीमित ओवरों के मैच में क्रीज़ पर लम्बे समय तक टिके रहने को आवश्यक रूप से अच्छी बात नहीं कहा जा सकता, किंतु यह देखते हुए की [भारत](#) पूरे 60 ओवरों की पारी नहीं खेल पाया था, अमरनाथ की पारी ने साथ खेलने वाले दूसरे बल्लेबाजों को स्कोर बनाने का मौका दिया।

सर्वाधिक 38 रन क्रिस श्रीकांत ने, 27 रन संदीप पाटिल ने 26 रन अमरनाथ ने बनाये थे। अपनी खराब बल्लेबाज़ी के प्रदर्शन के बाद [भारत](#) की जीत की संभावना लगभग समाप्त-सी हो गई थी, हालांकि भारतीय गेंदबाजों ने [मौसम](#) और पिच की स्थिति का भरपूर फायदा उठाते हुए वेस्ट इंडीज की टीम को 140 रनों पर आउट कर दिया और इस प्रकार 43 रन से फाइनल मैच जीत लिया। मोहिन्दर अमरनाथ और मदनलाल संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी रहे। प्रत्येक ने तीन-तीन विकेट लिए थे। सेमीफाइनल की तरह ही फाइनल मैच में भी मोहिन्दर अमरनाथ एक बार फिर सबसे सफल गेंदबाज सिद्ध हुए थे। उन्होंने प्रति ओवर 1.71 रनों के औसत से अपने सात ओवरों में केवल 12 रन दिए। इस प्रकार उन्हें सेमीफाइनल की तरह फिर से 'मैन ऑफ़ द मैच' घोषित किया गया।

दिलचस्प प्रसंग

मोहिन्दर अमरनाथ के साथ कई उल्लेखनीय प्रसंग भी जुड़े हुए हैं, जैसे-

- [क्रिकेट](#) के पिच से लेकर डांस के मंच तक वे अपने जलवे बिखेर चुके हैं। वर्ष [2009](#) में मोहिन्दर अमरनाथ डांस रियलटी शो "झलक दिखला जा" में भी आए थे। इस शो के जरिए वे डांस की धुनों पर लोगों को नचाने में कामयाब रहे, लेकिन वे जल्द ही इस शो से बाहर भी हो गए। उनके बाहर होने के बाद शो की टीआरपी में काफ़ी गिरावट आ गई थी।
- मोहिन्दर अमरनाथ का टीम इंडिया के चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल विवादों में रहा। कई मौकों पर उन्होंने [महेन्द्र सिंह धोनी](#) की आलोचना की, जिस पर बीसीसीआई से उनकी ठन गई। साथ ही [वीरेन्द्र सहवाग](#) को टीम से निकाले जाने का भी उन्होंने विरोध जताया था।
- वे विश्व के एकमात्र ऐसे क्रिकेट खिलाड़ी हैं, जो "हैंडलिंग द बॉल" और "ऑब्सट्रक्टिंग द फ़ील्ड" के जरिए आउट हो चुके हैं।^[2]
- मोहिन्दर अमरनाथ को भारतीय क्रिकेट में वापसी करने के लिए जाना जाता है। अपने कैरियर के दो दशकों में जब वे शिखर पर थे, तब उन्हें भारतीय टीम से कई मौकों पर निकला गया और हर बार उन्होंने अपनी वापसी अपने उत्कृष्ट खेल के द्वारा प्राप्त की।

- अपनी पहली श्रृंखला के बाद उन्हें टीम में वापस आने के लिए [1975](#) तक इंतजार करना पड़ा था।

महान क्रिकेटर्स के विचार

[1983](#) के क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल और फाइनल में मोहिन्दर अमरनाथ के प्रदर्शन ने [भारत](#) को पहली बार [एकदिवसीय क्रिकेट](#) का बादशाह बनाया था। [पाकिस्तान](#) के पूर्व कप्तान और तेज़ [गेंदबाज़](#) इमरान खान उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ [बल्लेबाज़](#) मानते थे। अपनी किताब में भी इमरान खान ने मोहिन्दर अमरनाथ की बल्लेबाज़ी की प्रशंसा की है। वहीं वेस्ट इंडीज के तेज़ गेंदबाज़ मेल्कम मार्शल भी उनके साहस के मुरीद थे। भारत के दिग्गज बल्लेबाज़ [सुनील गावस्कर](#) ने भी अपनी किताब में मोहिन्दर अमरनाथ को बेहतरीन बल्लेबाज़ बताया। उन्हें टीम इंडिया का "कमबैक मैन" भी कहा जाता है। जब भी उन्हें टीम से ड्रॉप किया जाता, वे धमाकेदार प्रदर्शन कर टीम में जगह बनाते।